Narsingh Shabar Kavacha Evam Mantra

नरसिंह शाबर कवच एवं मंत्र

Shri Raj Verma ji
Mobile- 09897507933， 07500292413

SHRI RAJ VERMA JI

Contact- +91-9897507933, +91-7500292413(WhatsApp No.)

Email- mahakalshakti@gmail.com

For more info visit---

www.scribd.com/mahakalshakti

www.gurudevrajverma.com

प्रस्तुत दुर्लभ शाबर कवच का भक्तिपूर्वक पाठ करने से मनुष्य प्रचण्ड तंत्रबंधन, शत्रुओं के घातक प्रहार, परप्रयोग एवं ग्रहपीड़ा से सुरक्षित रहता है। कठिन यात्रा पर जाने से पूर्व कवच के 11 पाठ कर प्रस्थान करने से यात्रा में कोई बाधा उत्पन्न नहीं होती। कवच के द्वारा अभिमंत्रित जल रोगी को पिलाने से रोग एवं

भूतप्रेत तत्काल पलायन कर जाते हैं। सम्पूर्ण लाभ के लिये कवच को शाबर विधि से गुरु के मार्गदर्शन में सिद्ध कर लेना चाहिये।

नरसिंह शाबर कवच- जल में जले नारसिंह तू रक्षाकार। थल में थले नारसिंह तू रक्षाकार।।

वायु में पवने नारसिंह तू रक्षाकार। अग्नि में खाकधारी नारसिंह तू रक्षाकार।।

आकाश में शब्दधारी नारसिंह तू रक्षाकार। पूरब में पीला नारसिंह तू रक्षाकार।।

पश्चिम में काला नारसिंह तू रक्षाकार। उत्तर में धौल्या नारसिंह तू रक्षाकार।।

दक्षिण में कंकाले नारसिंह तू रक्षाकार। घर में डौंडिया नारसिंह तू रक्षाकार।।

जंगल में सिंहमुखी नारसिंह तू रक्षाकार। ऊपर में अस्वमुखी नारसिंह तू रक्षाकार।।

नीचे में पातालमुखी नारसिंह तू रक्षाकार। खेत में खेत्रपाल नारसिंह तू रक्षाकार।।

भार्या में लक्ष्मी नारसिंह तू रक्षाकार। बच्चों में प्रह्लादे नारसिंह तू रक्षाकार।।

रण में चण्ड नारसिंह तू रक्षाकार। भैर में प्रचण्ड नारसिंह तू रक्षाकार।।

कपाल में कच्छपे नारसिंह तू रक्षाकार। आखों में क्रोधी नारसिंह तू रक्षाकार।।

कानों में कुन्डीया नारसिंह तू रक्षाकार। नाक में नागधारी नारसिंह तू रक्षाकार।।

मुख में बाकधारी नारसिंह तू रक्षाकार। भुजों में महाबली नारसिंह तू रक्षाकार।।

पीठ में पीठाधारी नारसिंह तू रक्षाकार। हृदय में ब्रह्मी नारसिंह तू रक्षाकार।।

लिंग में लिंगधारी नारसिंह तू रक्षाकार। गुदा में गुफाधारी नारसिंह तू रक्षाकार।।

जंघों में जालन्धरी नारसिंह तू रक्षाकार। घुटनों में छोटा नारसिंह तू रक्षाकार।।

खूटों में घुन्डया नारसिंह तू रक्षाकार। चरणों में भक्तया नारसिंह तू रक्षाकार।।

तुलुओं में तलवारसने नारसिंह तू रक्षाकार। आगे में जया नारसिंह तू रक्षाकार।।

पीछे में विजया नारसिंह तू रक्षाकार। धर्म में रामेश्वरी नारसिंह तू रक्षाकार।।

कर्म में कामेश्वरी नारसिंह तू रक्षाकार। काम में कूर्मेश्वरी नारसिंह तू रक्षाकार।।

मोक्ष में बदरी नारसिंह तू रक्षाकार। दिशाओं में दिग्पाले नारसिंह तू रक्षाकार।।

रुद्रों में नागधारी नारसिंह तू रक्षाकार। वसुओं में नागधारी नारसिंह तू रक्षाकार।।

बारों में भास्करे नारसिंह तू रक्षाकार। महीनों में माघे नारसिंह तू रक्षाकार।।

Shri Raj Verma ji
Mobile- 09897507933, 07500292413

नक्षत्रों में जेठा नारसिंह तू रक्षाकार। दिन में तपते नारसिंह तू रक्षाकार।।

रात्रि में शीतले नारसिंह तू रक्षाकार। वेदों में व्यासे नारसिंह तू रक्षाकार।।

सत में सच्चा नारसिंह तू रक्षाकार। झूठ में पापल्या नारसिंह तू रक्षाकार।।

छल में कृष्णावतारी नारसिंह तू रक्षाकार। भूतों में भैरों नारसिंह तू रक्षाकार।।

तीर्थों में त्रिलोकी नारसिंह तू रक्षाकार। जीवों में पशुपति नारसिंह तू रक्षाकार।।

सर्वत्र में दशावतारी नारसिंह तू रक्षाकार। बाबा तेरी कार तेरी धार।।

इस परिवार की रक्षा कार। रक्षा करी रक्षाकार रक्षा करण। रक्ष रक्ष रक्ष रक्ष रक्ष।।

Shri Raj Verma ji
Mobile- 09897507933, 07500292413

भूत उपद्रव नाशक नरसिंह मंत्र- “ॐ नमो भगवते नारसिंहाय घोररौद्रमहिषासुररूपाय त्रैलोक्याडम्बराय रौद्रक्षेत्रपालाय ह्रौं ह्रौं क्रीं क्रीं क्रीमिति ताडय ताडय मोहय मोहय द्रम्भि द्रम्भि क्षोभय क्षोभय आभि आभि साधय साधय ह्रीं हृदये आं शक्तये प्रीतिललाटे बंधय बंधय ह्रीं हृदये स्तम्भ्य स्तम्भय किलि किलि ईं ह्रीं डाकिनी प्रच्छादय प्रच्छादय शाकिनीं प्रच्छादय प्रच्छादय भूतं प्रच्छादय प्रच्छादय प्रभूतं प्रच्छादय प्रच्छादय स्वाहा। राक्षसं प्रच्छादय प्रच्छादय ब्रह्मराक्षसं प्रच्छादय प्रच्छादय सिंहिनीपुत्रं प्रच्छादय प्रच्छादय डाकिनीग्रहं साधय साधय शाकिनीग्रहं साधय साधय। अनेन मंत्रेण डाकिनी शाकिनी भूतप्रेत पिशाचाद्येकाहिक द्व्याहिक त्र्याहिक चातुर्थिक पंचवातिक पैत्तिकश्लेष्मिक सन्निपातकेसरि डाकिनी ग्रहादीन्मुंचमुंच स्वाहा। गुरु की शक्ति मेरी भक्ति फुरो मंत्र ईश्वरो वाचा।”

इस मंत्र का प्रभाव भी कवच की भांति उग्र है। कार्य एवं परिस्थितिनुसार विधिवत जप करें। पूजा के अन्त में बारम्बार क्षमायाचना करते हुए नरसिंह भगवान् से स्थान एवं देह की सुरक्षा

के लिये विनयपूर्वक प्रार्थना करें। उग्र देवताओं के पूजन के आदि एवं अन्त में शान्तिकर्म अवश्य करने चाहियें।

Books Written by Gurudev Shri Raj Verma ji

- Divya Mantra Sadhana Evam Siddhi

- Shri Baglamukhi Divya Sadhana

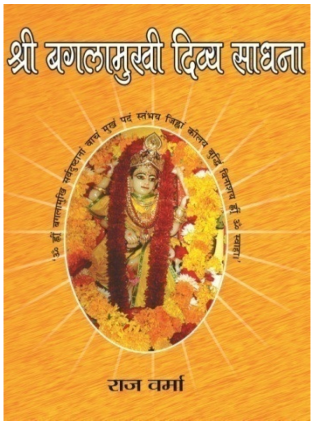

Shri Raj Verma ji
Mobile- 09897507933, 07500292413

Shri Raj Verma ji
Mobile- 09897507933, 07500292413